डॉ एन एन दस्तूर मेमोरियल ओरेशन अवार्ड

आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल- 09 फरवरी, 2015

डॉ हर्ष कुमार भनवाला, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक को आईसीएआर-एनडीआरआई द्वारा डॉ एन एन दस्तूर ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया. डॉ भनवाला ऐसे पहले एनडीआरआई के पूर्व छात्र है जिन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ है. उन्होंने एनडीआरआई, करनाल द्वारा आयोजित डॉ एन एन दस्तूर मेमोरियल व्याख्यान दिया.

डॉ हर्ष कुमार भनवाला ने 'छोटे किसानों की समृद्धि के लिए पशु धन का इस्तेमाल' 'पर डॉ एन एन दस्तूर मेमोरियल व्याख्यान 2015 में व्याख्यान दिया. उन्होंने कहा कि भारतीय पशुधन आबादी दुनिया में सबसे बड़ी है, तथापि, व्यावसायिक उन्मुखीकरण के कारण अधिक लाभकारी पशुओं की संख्या की और झुकाव बढ़ रहा है. कृषि सकल घरेलू उत्पाद में पशुधन क्षेत्र के योगदान में पिछले कुछ दशकों में वृद्धि हुई है. डॉ भनवाला ने इस बात पर बल दिया कि कृषि सकल घरेलू उत्पाद में क्षेत्र के योगदान की तुलना में पशुधन क्षेत्र के लिए संस्थागत समर्थन अपेक्षाकृत कम है. उन्होंने यह भी कहा कि पशुधन पालन आजीविका के लिए एक बड़े हिस्से को, विशेष रूप से भूमिहीन, छोटे और छोटे भूमि धारक किसानों की सहायता करता है. परंपरागत रूप से, पशुधन पालन ने महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद की, जो मुख्य रूप से संबंधित गतिविधियों में जुटी थीं. उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण परिवारों के बीच सफल होममेकर्स वे थे जो अपने परिवार और खेत की जरूरतों का ख्याल रखने के लिए पशुधन का लाभ उठा सकते हैं.

डॉ ए के श्रीवास्तव, निदेशक एवं उप कुलपति, आईसीएआर-एनडीआरआई ने कहा कि डॉ दस्तूर जैसे दिग्गज के मार्गदर्शन के कारण एनडीआरआई एशियाई क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित डेयरी अनुसंधान संस्थान के रूप में एक स्पृहणीय स्थिति में है. उन्होंने डॉ एच के भनवाला के लिए डॉ एन एन दस्तूर ऑरेशन पुरस्कार के प्रशंसा पत्र का वाचन किया. उन्होंने यह भी बताया कि एनडीआरआई करनाल में नाबार्ड चेयर सहित सहयोग के क्षेत्रों के लिए सक्रिय रूप से प्रयास किए जा रहे हैं.